

- أَعِيدُ تَرْتِيبَ الْكَلِمَاتِ لِأَكُونَ جُمْلًا مُفِيدَةً:

فَارِسٌ	لَوْحَةٌ	جَمِيلَةٌ	رَسَمَ
---------	----------	-----------	--------

--	--	--	--

سُعَادٌ	الْعَلَمَ	رَفَعْتُ
---------	-----------	----------

--	--	--

نَامَ	ضَوْءٍ	شَادِي	عَلَى	الْقَمَرِ
-------	--------	--------	-------	-----------

--	--	--	--	--

لَعِبَ	الْغَابَةِ	فِي	الْأَسَدُ
--------	------------	-----	-----------

--	--	--	--

جَمَالٌ	الْهَدَايَا	وَزَع
---------	-------------	-------

--	--	--